गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)

(शिक्षा संकाय)

पाठ्य योजना - 2

सत्र : 20.25.-20.26.

Lesson plan -2

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम श्रद्धा गौतम

शिक्षण विषय संस्कृत

महाविद्यालय अनुक्रमांक

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित अनुक्रमांक

दिनांक 1

पाठ योजना

विद्यालय का नाम गौतम बुद्ध महाविद्यालय पचपेड़वा सन्तकबीरनगर
छात्राध्यापिका का नाम श्रद्धा गौतम

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
	6	अ	संस्कृत	पद्यम्	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण काकः कौआ

सामान्य उद्देश्य

1 छात्र-छात्राओ मे संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना
2. छात्र - छात्राओ के संस्कृत भण्डार के शब्दो मे वृद्धि कराना।
3 छात्रा- छात्राओ संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना।
4. छात्रा· छात्राओ को संस्कृत वर्तनी और व्याकरण का ज्ञान कराना
5. छात्रा- छात्राओ को संस्कृत के कृतियों के बारे मे ज्ञा कराना
6 छात्रा- छात्राओ को मे संस्कृत लेखक शैली का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1 ज्ञानात्मक छात्रा - छात्राओ को पशु पक्षियो के

दिनांक 2

के जीवन शैली के बारे मे जानकरी देना और परिश्रम के पक्ष को समझाना।

2. **भावात्मक**

छात्र छात्राओ का कर्त्य बोध कराना बच्चो को कठिन परिश्रम के प्रेरित कराना।

3. **क्रियात्मक**

छात्र-छात्राओं को कौवे की चेष्टा से प्रेरित कराना छात्र छात्राओ को सदैव क्रियाशील बने रहने के लिए उत्साहित करना।

सहायक सामग्री

जैसे श्यामपट्ट चार्ट, माण्डल पेपर पुस्तक व्वाइण्टर आदि।

पुर्वज्ञान छात्र - छात्राओ छात्राॅ सस्कृत भाषा एव कौव पक्षी के बारे मे सामान्य जानकरी रखते है।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्रम	छात्राध्यापिका कथन / क्रिया	छात्र कथन / क्रिया
1	आप लोग कौन-2 से रंग के पक्षी देखे है।	काला हरा सफेद।
	काले रंग के पक्षियों के नाम	काक: कोयल

	नाम बताओ	
3	कौवे को संस्कृत मे क्या कहते है।	काक:
4	काक: पाठ के बारे मे क्या जानते है।	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :-
बच्चो आज हम काक: नामक पाठ के विषय मे विस्तृत विस्तृत अध्ययन करेगें।

उद्देश्य प्रस्तुतीकरण
प्रस्तुत प्रकरण को हम सुविधा पूर्वक दृष्टि से एक दाही आन्वित मे पढ़ेगी-

छात्राध्यापिका कथन। क्रिया	छात्र कथन क्रिया	शिक्षणविधि
संकेत :- एक: काक: --- लभते काक	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	व्याख्यान विधि
आदर्शवाचन :- एक काक:		स्पष्टीकरण
अनुकरण वाचन :- एक: काक:		

श्यामपट्ट कार्य :-

काव्य निवारणम्

शब्द	अर्थ
तृषापीड़ित:	प्यास से व्याकुल
नालभवत्	नही पाया
वृक्षात्	पैड़ से

व्याख्य अर्थ

छात्राध्यापिका व्याख्या करती है और सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है और छात्राध्यापिका पूरी कक्षा मे निरीक्षण करती है

बोधात्मक प्रश्न

1. तृषापीड़ित क: आसीत्

उत्तर :- तृषापीड़ित: काक: आसीत् ।

2. दूरे दूरे कि न अलभत

उत्तर :- दूरे - दूरे जलम् न अलभत

पुनरावृत्ति के प्रश्न

एक: काक: तृषापीड़ित:
जलम् न अलभत् दूरे-दूरे।
वृक्षात् वृक्षम् गत:
ग्रामे - ग्रामे नगरे - नगरे।

गृहकार्य

कठिन शब्दों का शब्दार्थ याद करके आना है।

ह० निरीक्षक ह० परीक्षक

दिनांक ....

पाठयोजना

~~विद्यालय~~ विद्यालय का नाम गौतम बुद्ध महाविद्यालय सन्त कबीर नगर
छात्राध्यापिका का नाम :- ~~खुश खुशबु~~ श्रध्दा गौतम

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि

प्रकरण - अतिलोभो न कर्तव्य

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रो को गद्यांश का अर्थ तथा भाव भली भांति समझकर उन्हे अपनी भाषा मे व्यक्त करने की क्षमता प्रदान करना।
2. लेखक के भावो एवं विचारो के अनुसार गद्यांश वाचन की योग्यता प्रदान करना।
3. छात्रो की सूक्ति भण्डार एवं शब्द - भण्डार मे वृद्धि करना।
4. छात्रो को विविध विषयो पर ज्ञान प्राप्त कर व शैलियो का परिचय प्रदान करना।

5. उनमे कल्पना तथा विचार शक्ति का विकास करने

सहायक सामग्री

लपेट श्यामपट्ट, चार्ट माण्डल पेपर आदि

पूर्वज्ञान

लोभ नही करना चाहिए इसके बारे मे छात्र सामान्य जानकरी रखते है। लोभ करने से किन दुखों का सामना करना पड़ता है। इसके बारे मे वे परिचित है।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्रम	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र कथन क्रिया
1	कैकेयी ने राम को वनवास क्यो भेजी थी	लोभ के वश मे आकर
	लोभ से किया होता है	लोभ से दुख मिलता है।
	लोभ किया है	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन

बच्चो आज हम लोभ का क्या है। लोभ से किन-किन दुखो का सामना करना पड़ता है। इसके बारे मे विस्तृत अध्ययन करेगे।

दिनांक ....

7

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक भाषा तत्वो का ज्ञान प्राप्त करना।

उच्चारण कश्चिद प्रासादान
वर्तनी अतोपयः संस्कृत
कठिन जातानि मृषा

अधिक लोभ करने से क्या होता है। इसका नाम प्राप्त कर सकेंगे।

भावात्मक

(i) छात्र यह समझ सकेगे कि अधिक लोभ नही करना चाहिए
(ii) छात्र इस प्रकार अन्य संस्कृति साहित्य पढ़ने पर रुचि लेंगे
(iii) सद्‌वृत्तियो का विकास कर सकेंगें

क्रियात्मक

① सुनकर अर्थ भाव ग्रहण प्रदान योग्यता प्रदान करना

② छात्र शब्दोच्चारण आरोह - अवरोह आदि पर ध्यान देने योग्य सुनेंगे

लोभ नही करना चाहिए इसके बारे मे छात्र अपने शब्दो मे सारांश लिख सकेंगें।

प्रथम अन्विति

संकेत	अध्यापिका कथन क्रिया	छात्र कथन क्रिया
सुनकर अर्थ ग्रहण करना	आदर्शवाचन अध्यापिका शुद्ध स्पष्ट एवं आरोह अवरोह पूर्वक भाषानुकूल विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए सस्वर वाचन का आदर्श पाठ प्रस्तुत करेंगे	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं
अनुकरण वाचन	अध्यापिका कुछ छात्रा से अनुकरण वाचन करायेगी	छात्र अनुकरण वाचन करेंगे
उच्चारण अभ्यास	छात्रों द्वारा अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप अध्यापिका श्यामपट्ट पर अंकित करेगी	छात्र शुद्ध उच्चारण करेंगे.

बोध प्रश्न

प्रश्न — प्रस्तुत गद्यांश का क्या नाम है

उत्तर — अति लोभो न कर्तव्य

प्रश्न — इसका तात्पर्य क्या है

उत्तर — इसका अर्थ है अधिक लोभ नहीं करना चाहिए

स्पष्टीकरण

पठित गद्यांश को आत्मसम्मान युक्तियों एवं विधियों द्वारा शब्दों के अर्थ सभी छात्रों को बतायेगी।

दिनांक ....

पुनरावृत्ति के प्रश्न

प्रश्न मायादासः कः आसीत्

प्रश्न मायादास किम् जयाचत अभीष्ट

प्रश्न इदं वाक्य कः अवदत

गृहकार्य

सभी छात्र लिखित पाठ का गद्यांश लिखकर लायें।

ह० निरीक्षक

ह० पर्यवेक्षक

पाठयोजना 3 दिनांक .... //

विद्यालय का नाम

छात्राध्यापिका का नाम श्रद्धा गौतम

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
	7	अ	संस्कृत	पद्यम्	प्रथम	40 मिनट

प्रकरण वन्दना

सामान्य उद्देश्य

1 छात्र छात्राओं को संस्कृत भाषा मे रुचि का जाग्रत करना चाहिए

2 छात्र छात्राओं को संस्कृत भण्डार के शब्द मे रुचि वृद्धि करना

3 छात्र-छात्राओं को साहित्य का ज्ञान प्रदान करना

4 छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा का महत्व बताना।

5 छात्रो को संस्कृत की वर्तनी और व्याकरण का ज्ञान कराना

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक भाषा के तत्वो को ज्ञान प्राप्त करना

दिनांक ....

भावात्मक

छात्रो को भगवती की महिमा के विषय मे बोध कराना।

क्रियात्मक

छात्र अपने दैनिक की महिमा के विषय जीवन वेदवाणी भगवती की महिमा वन्दना और अन्य वन्दना मे तुलना करना

सहायक सामग्री

लपेट श्यामपट्ट चार्ट माफ्लम पेपर आदि।

वंदना पूर्वज्ञान

छात्र माँ सरस्वती की वन्दना के बारे मे कुछ जानकारी रखते है

वन्दना या कुन्देन दुतिस्वार हार धवला या शुभ्रवस्त्रवृत्ता या वीणावर दण्ड मण्डित स्करा या श्वेत पद्मासना।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र०सं०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	बच्चो ज्ञान की देवी कौन है	माँ सरस्वती जी
2	ज्ञान की देवी के हाथ मे क्या है	वीणा है
3	आप वन्दना के बारे मे क्या जानते है	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन

आज हम लोग वन्दना नामक पाठ का विषय रूप से अध्ययन करेंगें

अन्विति

उद्देश्यकथन	अध्यापिका कथन	छात्रकथन
आदर्शवाचन	अध्यापिका शुद्ध स्पष्ट एवं आरोह-अवरोह पूर्वक भावानुकूल विराम के साथ श्लोक का उचित लय या भाव पूर्ण मुद्रा मे आदर्श वाचन करेंगी	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है
अनुकरण	छात्राध्यापिका कुछ छात्रो को भावानुकूल वाचन करने का निर्देश देतीहै	

बोधात्मक प्रश्न

क्र.स०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
①	कस्यचरणो प्रणायम्	भगवती सुरभारति
②	कस्य देशश्ण्म् गच्छाम	नादत त्वमयी वाणी श्वीर
③	वीणा पुस्तक धारिणि	भगवती सुर भारति

दिनांक ....

आत्मीकरण या स्पष्टीकरण

शब्द	अर्थ
सुरभारति	हे देववाणी (सरस्वती देवी)
शरण्या	शरण देनी वाली
रुचि	कान्ति
आसीना:	विराजमान

पुनरावृत्ति के प्रश्न

1 कस्य अम शरणम् गच्छाम:? उ० वागीश्वरिशाः गच्छामि

कुण्ठविष हारिणि क: उ० भगवती सुर भारति

वीणा पुस्तक धारिणी उ० भगवती सुर भारति

सुर भारीत स्य रसमधुर उ० नवरस मधुरा

सस्वर वाचन

छात्रा ध्यापिका छात्रो की इस पद को उच्च मे वचन करने के लिए कहेगी

गृहकार्य निम्नलिखित श्लोक की भाषा मे अपनी अर्थ लिखिए।

ह० पर्यवेक्षक

ह०. निरीक्षक

दिनांक ....

विद्यालय का नाम

छात्राध्यापिका नाम श्रद्धा गौतम

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
	7	अ	संस्कृत	गधम्	द्वितीय	40 मिनट

प्रकरण आश्रम

सामान्य उद्देश्य

1 छात्रों के शब्द भण्डार मे वृद्धि करना जिससे किसी नये - नये शब्दो को समझकर उसकी उचित उपयोग करे

2 छात्रों मे उचित आरोह - अवरोह के साथ विराम आदि चिन्हो का ध्यान रखते हुए वाचन करना

3 छात्रो मे भाव एव विचारो को संस्कृत भाषा मे अभिव्यक्ति करना

4 छात्रो मे विविध पाठ के माध्यम से कल्पना शक्ति करना

5. छात्रो मे कथा निहित संदेश को जीवन मे उतारने की प्रेरणा देना

6 छात्रो मे विभिन्न गद्य शैलियो मे परिचय देना।

दिनांक ....

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक प्रस्तुत पाठ मे छात्रो मे प्राचीन शिक्षा कल्पना से परिचित कराना।

भावात्मक छात्रो को आश्रम के वातावरण एव नियमो से अवगत कराना।

क्रियात्मक छात्रो को कठिन परिश्रम से अवगत कराना

सहायक सामग्री श्यामपट्ट कक्षा - कक्ष उपकरण, चार्ट माडल पैंथर आदि।

पूर्वज्ञान

छात्रो के आश्रम बारे मे सामान्य जानकरी जानकरी रखते है।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	हम शिक्षा ग्रहण करने कहा जाते है	विद्यालय मे
2	पहले के लोग शिक्षा ग्रहण करने कहा जाते है	आश्रम मे
3	आश्रम के बारे मे आप क्या - क्या जानते	समस्यात्मक

दिनांक ....

उद्देश्य कथन

बच्चो आज हम आश्रम पाठ के माध्यम से आश्रम के वातावरण एव शिक्षा के बारे मे अध्ययन करेगें ।

प्रस्तुतीकरण

प्रस्तुत गद्यांश को अध्ययन अध्यापक के सुविधानुसार दो अन्वितियो मे विभक्त करके पढ़ाया जायेगा ।

प्रथम अन्विति

पाठ्य संकेत

अस्माकं प्रदेशस्य ------- आनन्द ददाति

आदर्श वाचन

छात्राध्यापिका द्वारा प्रथम अन्विति का उचित आरोह - अवरोह के साथ विराम आदि चिन्ह को ध्यान मे रखते हुए शुद्ध उच्चारण सहित आदर्शवाचन किया जायेगा ।

बोध प्रश्न

क्र०स०	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
	नैमिषारण आश्रम किस जनपद मे स्थित है।	सीतापुर
	आश्रम का वातारण कैसा था	शुद्ध
	छात्राध्यापिका द्वारा प्रथम अन्विति की व्याख्या प्रस्तुत उदाहरण की सहायता से समस्त छात्रों को प्रस्तुत की गई	छात्र कथन ध्यान पूर्वक सुन रहे है।

दिनांक ....

द्वितीय अन्विति

शब्दार्थ	तपोवन्त .... सर्वत्र गंगेत
आदर्श वाचन	छात्राध्यापिका द्वारा द्वितीय अन्विति का उचित आरोह-अवरोह के साथ विराम आदि चिन्ह के माध्यम से उच्चारण सहित आदर्श वाचन किया जायेगा
अनुकरण वाचन	छात्रो द्वारा द्वितीयअन्विति का उचित आरोह-अवरोह के साथ शुद्ध उच्चारण सहित अनुकरण वाचन कराया जायेगा।

बोधात्मक प्रश्न

	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	आश्रम के समीप कौन सी नदी बहती है	गोमती नदी
2	छात्र कब जगते है	सुर्योदय से पहले
3	वृक्षो पर कौन कूदता था	बन्दर

श्यामपट्ट कार्य

छात्राध्यापिका छात्रो को श्यामपट्ट कार्य अपने पाठ्य पुस्तिका पर लिखने को आदेश देती है

दिनांक ....

पुनरावृत्ति के प्रश्न

1 आश्रम नैमिषारण्य किस जनपद मे था।

2 आश्रम मे कौन - कौन रहता था

3. आश्रम के समीप कौन सी नदी बहती थी

4 आश्रम मे कौन- कौन साथ पढ़ता था।

5 ऐसा आश्रम कहा होना चाहिए।

गृहकार्य: हाथी को विद्यालय पर निबन्ध लिखकर लाना है।

ह०शिक्षक ह०पर्यवेक्षक

दिनांक ....

पाठ योजना

विद्यालय का नाम

छात्राध्यापिका का नाम श्रद्धा गौतम

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
	8	'अ'	संस्कृत	गद्यम्	पचंम	40 मिनट

प्रकरण अस्माकं उत्सव

सामान्य उद्देश्य

1 छात्रो मे संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना
2. छात्रो को संस्कृत भण्डार शब्द मे वृद्धि कराना
3 छात्रो को संस्कृत की वर्तनी और व्याकरण का ज्ञान कराना 4. छात्रो को संस्कृत के कवियो के बारे मे बताना

5 छात्रो को मानसिक शक्ति का विकास कराना।

~~विशिष्ट~~ विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक

छात्रों को अपनी विभिन्न त्योहारो के बारे मे जानकारी देना।

दिनांक ....

भावात्मक
छात्रो मे त्योहारो के माध्यम भाईचारा उत्पन्न कराना।
क्रियात्मक छात्रो को त्योहारो के बारे मे बताना

सहायक सामग्री
विभिन्न कक्षा मे कक्षा मे सामग्री और त्योहार ~~सहायक सामग्री~~ पूर्वज्ञान छात्र विभिन्न त्योहार के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है

प्रस्तावना के प्रश्न

क्रम	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	राष्ट्रीयपर्व कितने प्रकार के होते है।	तीन प्रकार के
2	तीनो पर्वो के नाम बताओ	2 अक्टूबर 15 अगस्त 26 जनवरी
3	धार्मिक पूर्व कौन - कौन से	समस्यात्मक

उद्देश्य बच्चो आज हम सब अस्माक उत्सव नामक पाठ के विषय के बारे मे विस्तृत अध्ययन करेगें।

दिनांक ....

प्रस्तुतीकरण

पाठ की सरलता के लिए सम्पूर्ण पाठ को दो अवन्तियो मे अध्ययन किया जायेगा

प्रथम अवन्तिति

संकेत	छात्राध्यापिका कथन	छात्र क्रिया
	दिपावली प्रकाशस्य ---- शोभायमानध्यो अस्ति	
आदर्शवाचन	प्रस्तुत अविन्ति कीआरोह अवरोह तथा विराम आदि चिन्हो को ध्यान मे रखकर आदर्श वाचन किया जायेगा।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।
अनुकरण वाचन	अन्विति को बारी - बारी कई छात्रो द्वारा आज पूर्वक स्वर मे उच्चारण कराया।	

बोधात्मक प्रश्न

क्रम	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	दिपावली का महोत्सव कब पड़ता है।	कार्तिक मास की अमावस्या
2	राम जी कितने वर्ष बाद अयोध्या वापस आय थे	14 वर्ष बाद
3.	राम जी के वापस आने की खुशी मे कौन सा त्योहार मनाया जाता है।	दिपावली

काठिन्य निवारण

दिनांक ....

शब्द	अर्थ
महोत्सव:	त्योहार
प्रत्यागत	लौटकर आना

मौन वाचन

छात्राध्यापिका के आदेशानुसार छात्रों द्वारा मौन वाचन किया जायेगा एवं अध्यापिका पूरी कक्षा का निरीक्षण करती है।

द्वितीय अन्विति

संकेत	ईसाई जनाना - - - - - - -	- कुर्सीन्ति
	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
आदर्श वाचन	द्वितीय अन्विति की आरोह, अवरोह विराम आदि चिन्ह का ज्ञान करायेगी	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें
अनुकरण वाचन	अन्विति को छात्रो द्वारा बारी-बारी से आज पूर्वक ढ़ग से अनुकरण कराया जायेगा।	

बोधात्मक प्रश्न

	छात्राध्यापिका कथन	छात्र कथन
1	क्रिसमस किस धर्म का त्योहार है।	ईसाई धर्म
	ईद - उल फितर किस धर्म का त्योहार	इस्लाम धर्म

दिनांक ....

श्यामपट्ट

श्यामपट्ट पर लिखे लेख को छात्रो से अपनी पुस्तिका मे लिखने को कहती है।

पुनरावृत्ति के प्रश्न

1 दिपावली किसका त्योहार है।

2 कार्तिक मास पूर्णिमा के दिन क्या नाम जाता है।

3 ईसाई धर्म का पवित्र त्योहार क्या है।

4 रमजान के महिने मे मुस्लिम लोग क्या रखते है।

गृहकार्य

हमारे देश मे कौन - कौन से त्योहार मनाये जाते है और इसे समाज मे लाभ क्या है लिखकर लाये।

ह० परिवीक्षक

ह० निरिक्षक

Shweta Chand